12.06 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need to Conduct further research for developing Solar Energy.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): I am glad that our Government has taken up the development of Solar Energy in right earnest and has almost succeeded in converiting Solar Energy into heat and light and in its storage. The Government also succeeded in making cookers, heaters, dryers and cold storage devices run by solar energy. It has also succeeded in running radios, T.Vs and telephones by Solar Energy. I have to say that a revolution is in the offing in this respect but there is a necessity to make some improvements in its technology so as to help the people and the agriculturists. Without frying, cooking is not complete. Therefore, the Government should undertake research in the matter of frying vegetables and other things by solar energy.

At present, the cost of electricity is very heavy and it is becoming very difficult to get electrical energy for agricultural purposes. It is a happy thing to note that our Government made a break-through in inventing a solar pump set. But it is useful only to the wells which are having a depth of 8 metres only. The area with wells of such a depth is very limited in our country and, if we have to replace diesel engines by engines run by solar energy, we have to invent a pump which can lift water in the wells up to a depth of 150 feet.

I, therefore, request our Government to instruct the technological department to conduct researches in these directions.

(ii) Demand for a T.V. Centre at Allahabad for the Coverage of fourth Comming Ardha—Kumbh fair

श्री कृष्ण प्रताप तिवारी (इलाहाबाद): अध्यक्ष महोदय, मैं निम्नलिखित विषय की ओर नियम 377 के तहत मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करता हूं।

अगले वर्ष 1982 में प्रयाग इलाहाबाद में अर्धकुम्भ मेला जनवरी एवं फरवरी में होने वाला है, जिस में लगभग 50 लाख से अधिक तीर्थ यात्रियों जिस में बालक तथा वृद्ध हैं, आने की संभावना है।

इलाहाबाद का अतीत में देश की राजनीति, शिक्षा तथा धार्मिक क्षेत्र में बड़ा महत्व रहा है तथा आज भी है। इलाहाबाद स्थित स्वराज्य भवन एवं आनन्द भवन से ही देश की आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी, किन्तु आज इलाहाबाद उपेक्षित होता जा रहा है।

इलाहाबाद अभी टी० वी० मानचित्र पर नहीं है। अर्धकुम्भ मेला में यदि टी० वी० का प्रबन्ध इलाहाबाद में कर दिया जाए तथा माघ मेला स्थल में जगह-जगह टेलीविजन सेट लगा दिए जायें तो सुदूर अंचलों से आने वालों को काफी जानकारी शिक्षा, स्वास्थ्य कृषि एवं परिवार नियोजन आदि प्रोग्रामों के बारे में मिल सकती है, जो जनहित में होगा।

दिल्ली से इलाहाबाद के लिए नियमित वायुसेवा भी नहीं है। सप्ताह में मात्र तीन-दिन हैं, उसे भी पूरे सप्ताह करना अति लोक महत्व का प्रश्न है।

(iii) Crisis in Carpet Industry of Mirzapur Bhadohi area in Uttar Pradesh.

श्री उमाकान्त मिश्र मिर्जापुर): अध्यक्ष महोदय, निम्नलिखित विषय की ओर मंत्री महोदय का ध्यान नियम 377 के तहत आकर्षित करना चाहता हूं:

उत्तर प्रदेश का मिर्जापुर भदोही क्षेत्र कालीन उद्योग का प्रमुख केन्द्र है। लगभग पांच लाख लोगों को इस उद्योग में रोजगार मिलता है। उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक विदेशी